साल्ज़बर्ग की दर्जिन

अनीता

अन्ना एक गरीब युवा लड़की थी जो सुंदर कपड़े सिलती थी और कढ़ाई करती थी. उसे अपनी माँ और बहन के लिए सुंदर एप्रन बनाने और अपने पिता और भाई के लिए सुंदर शर्ट बनाने से बेहतर कुछ और नहीं लगता था.

फिर शहर की अमीर महिलाओं ने अन्ना के महान कौशल के बारे में सुना. उन्होंने कहा कि वे उसे कपड़े सिलने के लिए अच्छे पैसे देंगी. पर उसके लिए अन्ना को दिन-रात बस काम और काम ही करना पड़ा. जल्द ही अन्ना का परिवार गरीब नहीं रहा. लेकिन अन्ना इस सबसे खुश नहीं थी.

लेखक-कलाकार अनीता ने एक सुन्दर कहानी बुनी हैं.
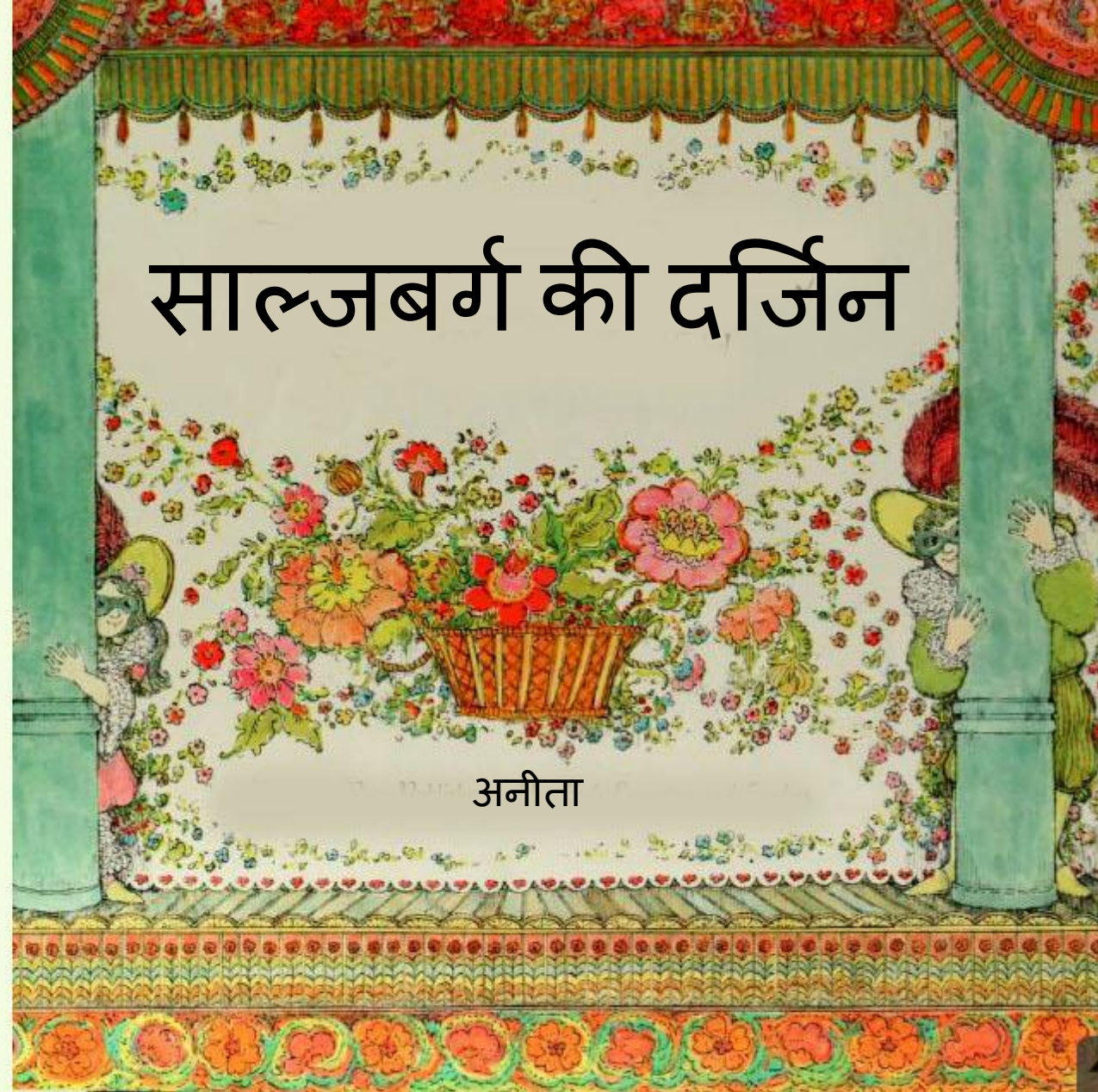
एक बार साल्ज़बर्ग शहर में अन्ना नाम की एक गरीब लड़की रहती थी
जिसे सुंदर कपड़े सिलना और कढ़ाई करना पसंद था.

सर्दियों में जब बर्फ गिरती और ठंड खिड़कियों को ढंकती, तो अन्ना अपनी माँ और बहन के लिए कपड़े और एप्रन सिलती. वो उनपर चमकीले फूल और पत्ते काढ़ती और पिता और भाई के लिए शर्ट सिलती.

गर्मियों में जब अन्ना अपने बगीचे में सिलाई कर रही होती, तो दोस्त और पड़ोसी उसकी बनाई प्यारी चीजों की प्रशंसा करते थे.

एक दिन डचेज़ ऑफ़ फ़्रुट्ज़ अपनी गाड़ी में सवार होकर अन्ना के घर आईं.
"देखो, क्या तुम मेरे लिए एक नई पोशाक बना सकती हो?" उन्होंने अन्ना से पूछा.
अन्ना के पिता उनके सामने झुके, और माँ ने कहा, "महारानी, हमारी बेटी आप के लिए एक सुंदर पोशाक ज़रूर बनाएगी."

स्पिट्ज की काउंटेस ने जब उस अद्भुत दर्जिन के बारे में सुना तो वो भी एक ड्रेस ऑर्डर करने के लिए आईं.

उसके बाद हल्सन-बर्गेन की रानी आईं और फिर हसेरई की रानी और उनकी बेटियां भी आईं.

इन महिलाओं ने अपने पहनावों के लिए ढेर पैसे दिए.

"आपका बहुत शुक्रिया," अन्ना के माता-पिता ने कहा.

वे अन्ना पर गर्व करते थे और उसके बारे में अपने पड़ोसियों के सामने डींग मारते थे.

"जल्द ही हमारी अन्ना साल्ज़बर्ग की सभी अमीर महिलाओं के लिए सुंदर कपड़े बनाएगी!"

जब कपड़े तैयार हो गए, तो महिलाएं उन्हें पहनकर पार्क में टहलने गईं. डचेज़ ऑफ़ फ्रुट्ज़ ने हल्सन-बर्गन की रानी को देखा. उन्हें गुस्सा आया और उन्होंने कहा, "उसकी पोशाक में मेरी तुलना में अधिक फूल हैं!"

स्पिट्ज की काउंटेस ने देखा कि हसेरई की रानी और उनकी बेटियों ने अपनी एड़ी पर एक चमकीला फीता लगाया था!

हसेरई की रानी ने डचेस ऑफ फ्रुट्ज़ को देखा कि उनकी पोशाक पर रंग-बिरंगे रिबन लगे थे.

हेल्सन-बर्गन की रानी ने सोचा कि हर किसी का पहनावा उनसे ज्यादा सुंदर था.

वे सभी एक-दूसरे को देखतीं और एक-दूसरे से ईर्ष्या करती थीं.
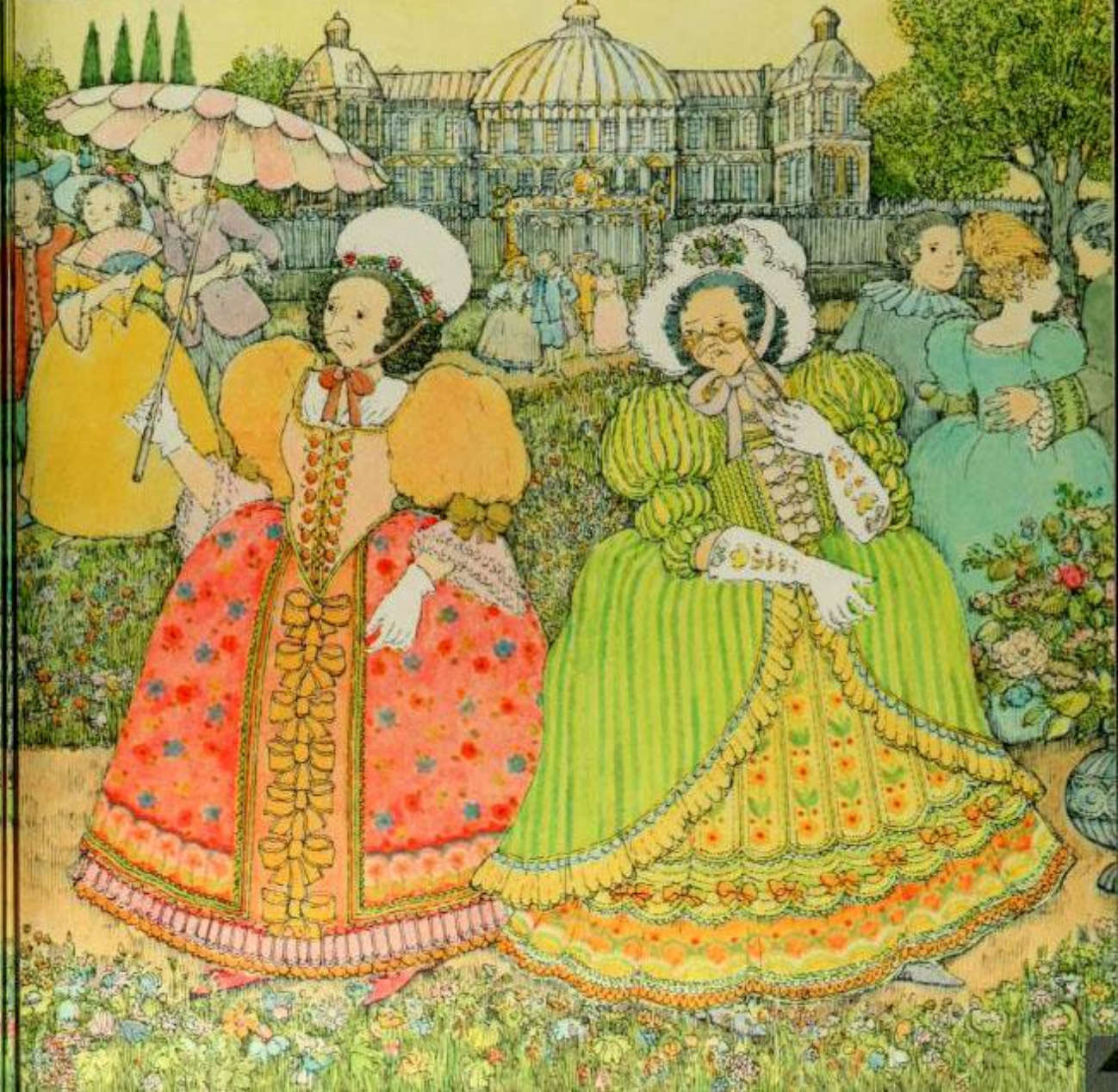
सभी महिलाएँ अपने-अपने पहनावे से नाखुश थीं और वे नई माँगों के साथ अन्ना के पास वापस आईं.

डचेस ऑफ फ्रुट्ज ने कहा, "मैं तुम्हें अपनी पोशाक पर अधिक फूल और रिबन लगाने के लिए हल्सन-बर्गन की रानी से अधिक पैसे दूँगी."

काउंटेस ऑफ स्पिट्ज ने कहा, "मैं तुम्हें अपनी पोशाक में लेस लगाने के लिए हसेरई की रानी से दोगुना भुगतान करूंगी."

"यदि तुम मेरी पोशाक में रेशम के फूल लगाओगी तो मैं तुम्हें तीन गुना भुगतान करूंगी."

हसेरई की रानी ने कहा,"यह लो पैसे."

"मैं बहुत अधिक सुंदर पोशाक चाहती हूं, जिसमें सलमे-सितारे जड़े हों!"

"हम भी वही चाहते हैं!" रानी की बेटियों ने कहा.

अन्ना के माता-पिता इन रईस महिलाओं के सामने सिर झुकाते और कहते, "बेशक, हमारी लाड़ली, महारानी और सभी महिलाओं के लिए बेहतरीन कपड़े सिलेगी."

"लेकिन, माँ, फिर मैं तुम्हारे लिए नया एप्रन कैसे बनाऊंगी?" अन्ना ने चुपचाप कहा, "मैं सुबह के नाश्ते से लेकर रात तक, फूलों की कशीदाकारी का काम करती हूँ, मुझे वक्त ही नहीं मिलता है?"

"मुझे एक नए एप्रन की आवश्यकता नहीं है, प्रिय," माँ ने मुस्कुराते हुए अन्ना से कहा.

" देखिये, पापा," अन्ना ने कहा, "आपकी शर्ट फटी है, पर मुझे दोपहर से सूर्यास्त तक हसेरई की रानी के लिए सलमे-सितारे सीने हैं!"

"बेटी, यह सब ठीक है," पिता ने कहा और उसे चूमा. फिर माँ और पिता उन पैसों को गिनने के लिए बैठ गए, जिन्हें अमीर महिलायों ने कपड़े सिलने के लिए उन्हें दिए थे. लेकिन भाई-बहन ने अन्ना द्वारा अपने लिए बनाई गई सुंदर चीजों को याद किया और फिर वे दुखी हुए.

अन्ना की अथक मेहनत के बावजूद अमीर महिलाएँ संतुष्ट नहीं हुईं.
"अधिक फूल!" फ्रूट्ज़ की डचेस चिल्लाई.
"और अधिक!" स्पिट्ज की काउंटेस की मांग की.
"और ज़्यादा सलमा-सितारे!" हल्सन-बर्गन की रानी चिल्लाई.
"चमकीली लेस!" हसेराय की रानी चिल्लाई.
"और अधिक बटन और जेबें!" उनकी बेटियों ने कहा.
"लेकिन प्रिय महिलाओं! आपकी पोशाख़ें पहले ही बहुत भारी हैं,
और वो बिल्कुल भी सुंदर नहीं लगेंगी," अन्ना ने सलाह दी.
लेकिन अमीर महिलाओं ने उसकी एक नहीं सुनी.
"हमें और चाहिए!" वे चिल्लाईं और फिर वे अपनी गाड़ियों में बैठकर
चली गईं.
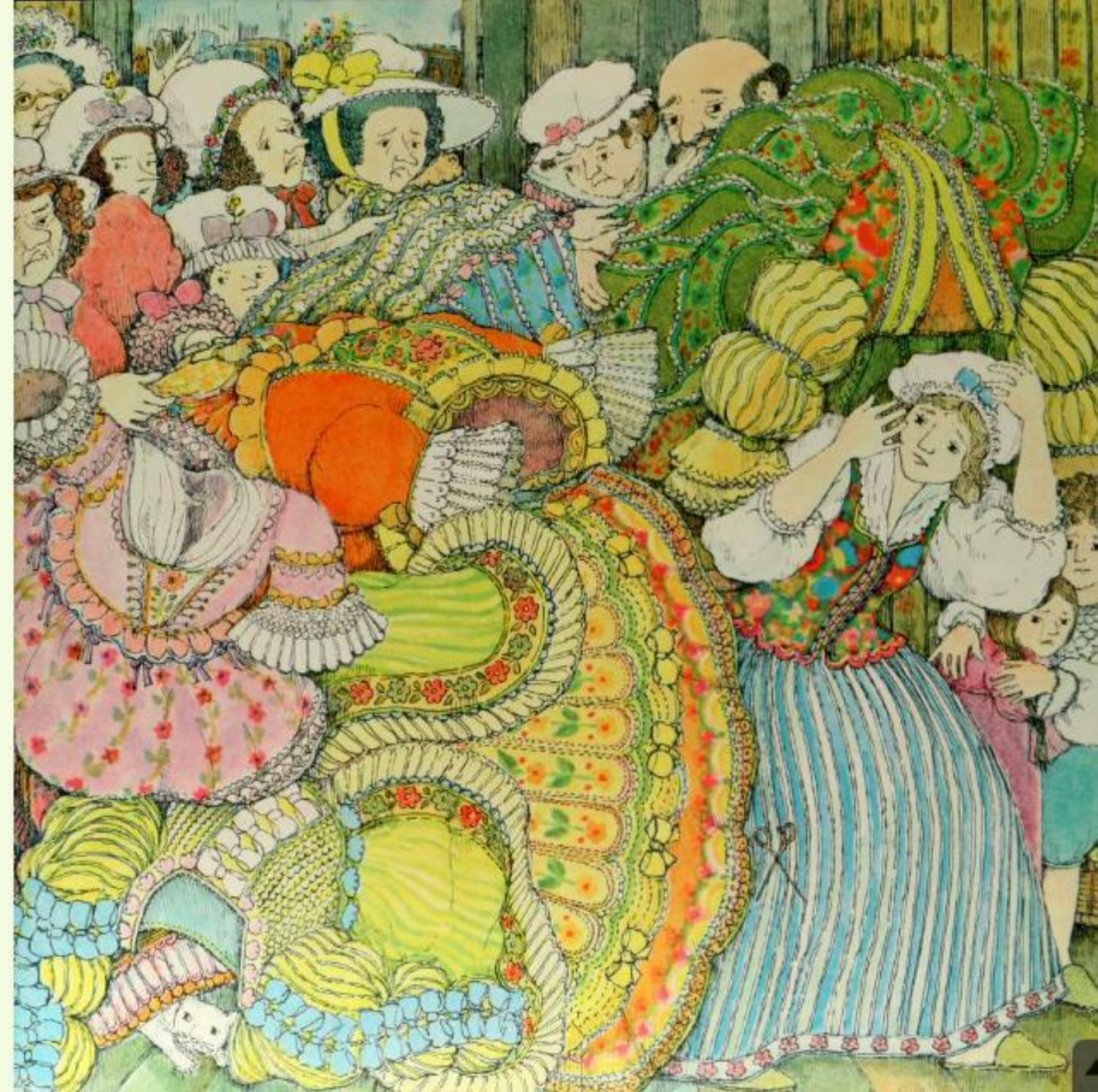
फिर एक दिन अन्ना को महल में बुलाया गया. "देखो, मेरा बेटा - राजकुमार, विदेशी यात्रा से वापस आ रहा है," रानी ने खुशी-खुशी घोषणा की: "मुझे पहनने के लिए कुछ नया चाहिए," उन्होंने कहा. "रेशम और साटन और लेस से बनी एक अद्भुत ड्रेस. वो पूरे देश की सबसे सुंदर पोशाक होनी चाहिए."

सभी ने रानी को झुककर सलाम किया.

"अन्ना रानी के लिए एक नई पोशाक बना रही है," मां ने पड़ोसियों को बताया.

"मुझे अब सिलाई में वो आनंद नहीं आता, जैसे पहले मज़ा आता था," अन्ना, अपने भाई-बहन के सामने रोई. वो बहुत थकी हुई थी, लेकिन अभी बहुत काम बाकी था. उसकी उंगलियों में चोट लगी थी लेकिन अभी उसे बहुत सारे बटन और सलमे-सितारे और टाकने थे. उसकी आँखों में दर्द हो रहा था लेकिन अभी उसे रानी की पोशाक को समाप्त करना था. अन्ना के भाई-बहन ने उसकी मदद करने की कोशिश की, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी था.

अक्सर अन्ना अपना काम करते-करते ही सो जाती थी. कभी उससे कोई काज़ छूट जाता था या फिर कोई बटन खो जाता था या फिर वो रिबन या लेस टांकना भूल जाती थी.

“अपनी अद्भुत बेटी को देखें," अपने पति के कान में अन्ना की माँ ने फुसफुसाया. "काश मैं रानी के लिए एक पोशाक बना पाती. लेकिन मुझ में वो कलाकारी नहीं है!"

लेकिन अन्ना ने कई महिलाओं के चिल्लाने का सपना देखा,

"अधिक, और अधिक!"

"जल्दी करो, जल्दी करो!"

"ज्यादा, और ज्यादा!"

जिस रात राजकुमार को अपनी यात्रा से वापस आना था, उस समय सभी लोग महल के आंगन में उसका इंतजार करने को खड़े थे. रानी और बाकी महिलाओं ने अपने नए-नए कपड़े पहने थे. मौसम गर्म था, और उनके कपड़े काफी भारी थे. घोड़ों के खुरों की आवाज दूर से सुनाई दे रही थी.

फिर प्रभावशाली रूप से रानी गेट की ओर बढ़ी. "मेरा बेटा, राजकुमार आ रहा है!" वो खुशी से चिल्लाईं. बाकी महिलाएं खिलखिलाकर हंसने लगीं. हर कोई देख सकता था कि रानी की पोशाक सीढ़ियों पर गिर पड़ी थी.

महिलाएं बहुत जोर से हंसीं.
फिर उनकी सारी पोशाकें भी सिलाई पर से फटने लगीं.
स्पिट्ज की काउंटेस, हल्सन-बर्गेन की रानी पर हंसी, जिनकी पोशाक से सलमे-सितारे गिर रहे थे.
फिर उसकी खुद की अपनी पोशाक जमीन पर गिर गई. डचेस ऑफ फ्रुट्ज की पोशाक के टंके फूल एक-एक करके फिसलने लगे.
जब हसेरई की रानी की बेटियां उन पर हंसीं तब उन्होंने उन्हें थप्पड़ मारा. पर अब उनके कपड़ों के सभी बटन नीचे गिर गए थे.
गुस्से में तमतमाई रानी ने अन्ना को फांसी पर लटकाने की आज्ञा दी.
तभी राजकुमार महल के आंगन में सरपट दौड़ा हुआ आया.

उदास, होकर उसने अन्ना को देखा. फिर उसने अपनी माँ और अन्य महिलाओं को देखा.

"यह कैसा तमाशा है? क्या मेरे विदेश जाने के बाद कपड़े पहनने की शैली बदल गई है? आप लोग अंदर के कपड़ों में क्यों खड़ी हैं? और इस खूबसूरत महिला ने आपका क्या बिगाड़ा है?"

"वो हमारी दर्जिन है," रानी ने कहा.

"उसे लटका दो! उसे फांसी पर चढ़ा दो!" बाकी महिलायें एक साथ चिल्लाईं.

"माँ, यह क्या बकवास है, कृपा मुझे समझाएं?" राजकुमार ने मांग की.

रानी ने बोलने की कोशिश की, लेकिन बाकी महिलाओं ने चिल्लाते हुए कहा,

"उसे लटकाओ! उसे फांसी दो! उसे सजा दो!"

"हमारे सब कपड़े फट गए हैं! उसे लटका दो!"

"लेकिन मैंने आप सभी को चेतावनी दी थी कि कपड़े बहुत भारी होंगे," अन्ना चिल्लाई.

"और मैं आप सभी के भारी भरकम कपड़े सिलते-सिलते बहुत थक गई थी."

यह कहकर अन्ना चुप हो गई. धीरे-धीरे राजकुमार को सारी बात समझ में आई.

उसे बहुत गुस्सा आया और वो महिलाओं पर चिल्लाया, "मूर्ख महिलाओं तुम खुद अपनी पोशाक सिलना क्यों नहीं सीखतीं!"

और फिर उसने रानी से कहा, "माँ, अगर आप इस लड़की को इस क्रूर फांसी को नहीं रोकती हैं, तो फिर मैं खुद इस सुंदर लड़की को मुक्त करूंगा और उससे शादी करूंगा. और फिर हम किसी दूसरे देश चले जाएंगे और यहाँ कभी वापस नहीं आएंगे!"

यह सुनकर रानी बहुत परेशान हुई.

अन्ना को राजकुमार बहुत अच्छा लगा!
फिर अन्ना ने बड़ी शांति से कहा, "मुझे फांसी पर मत लटकाओ और मुझे विदेशी भूमि पर भी मत ले जाओ, प्रिय राजकुमार. मैं तुमसे यहीं, अपने देश में ही ख़ुशी-ख़ुशी शादी करूंगी. क्योंकि अगर हम यहाँ रहे, तो मैं साल्ज़बर्ग की इन सभी महिलाओं को सिलाई कैसे करनी है यह ज़रूर सिखा दूँगी!"
महारानी ने राजकुमार और दर्जिन को देखा और फिर उनके ज़ेहन में एक शानदार विचार आया.
उन्होंने अन्ना से कहा, "हम तुम्हें फांसी बिल्कुल नहीं दे सकते, प्रिय! हमें तुम्हारी बहुत जरूरत है!" फिर रानी ने महिलाओं से कहा, "मैं आज्ञा देती हूँ कि साल्ज़बर्ग में सभी महिलाएं जल्दी-से-जल्दी सिलाई सीखें! शाही शादी के लिए जिसकी भी पोशाक समय पर तैयार नहीं होगी, उसे आमंत्रित नहीं किया जाएगा!" उसके बाद राजकुमार ने अन्ना के हाथों की रस्सी को खोला.

महिलायें कुछ देर बड़बड़ाईं, लेकिन अंत में उन्हें रानी की बात माननी ही पड़ी. सिलाई सीखते समय कई बार उनकी उंगलियों में सुई चुभी. लेकिन उन्होंने अपनी-अपनी पोशाख़ें सिलीं!

सभी महिलाओं ने शाही शादी में अपनी-अपनी नई ड्रेस पहनी.

अब वे खुश थीं, और खुदको बहुत सुंदर महसूस कर रही थीं.

"तुमने उन उत्तम फूलों को कैसे काढ़ा?" हचसेन-बर्गन की रानी ने फ्रूटस की डचेस से पूछा.
"क्या तुम मुझे नहीं दिखाओगी कि पतली लेस कैसे लगाते हैं?" स्पिट्सेन की काउंटेस से हल्सन-बर्गन की रानी सेपूछा.
"तुम इतनी सुन्दर पहले कभी नहीं दिखीं," हसेरई की रानी ने अपनी बेटियों कहा.
"हमने ये कपड़े खुद बनाए हैं," बेटियों ने गर्व से कहा.
अब अन्ना और राजकुमार के अलावा साल्ज़बर्ग में हर कोई खुश था.

समाप्त